RAJYA SABHA

Tuesday, the 8th June, 2004/18 Jyaistha, 1926 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

PAPER LAID ON THE TABLE

Report (2002-03) of the Public Enterprises Survey

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SURESH PACHOURI): Sir, I, on behalf of the Minister of State of the Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises (Shri Santosh Mohan Dev), lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Annual Report of the Public Enterprises Survey (Volumes I, II and III), for the year 2002-03. [Placed in Library. *See* No. L.T. 10/04]

RECOMMENDATIONS OF THE BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

MR. CHAIRMAN: I have to inform the House that the Business Advisory Committee in its meeting held on Monday, 7th June, 2004, allotted 12 hours for discussion on the Motion of Thanks on the President's Address.

माननीय सदस्यगण, हम सब चाहते हैं राष्ट्रपति महोदय के अभिभाषण पर चर्चा हो। डा. कर्ण सिंह साहब ने प्रस्ताव मूव किया है। मैं समझता हूं कि आप प्रस्ताव मूव कर दें। लेकिन मेरे पास एक दूसरा पत्र श्रीमती सुषमा स्वराज ने दिया है। वह प्रस्ताव यह है कि कल लीडर आफ दि अपोजिशन को बोलने नहीं दिया गया। वे जो बात कहना चाहते थे उसके संबंध में वह कुछ कहना चाहती हैं। उनके कहने के बाद हाउस में इस मोशन के ऊपर चर्चा हो। तो इस पर किसी को कोई आपत्ति तो नहीं है।

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) : महोदय, यह बात परम्परा के विरुद्ध होगी। **...(व्यवधान)...**

श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र) : कम से कम उनको बोलने तो दिया जाए। **...(व्यवधान)...**